भास्कर
कानपुर
5 जुलाई 2021
11

पौधशाला में सब्जियों के स्वस्थ पौध तैयार करें किसान

कानपुर, 4 जुलाई। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति डॉ. डी.आर. सिंह की ओर से निर्देश के क्रम में आज कल्याणपुर के साग भाजी अनुभाग के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ संजीव सचान ने बताया कि खरीफ के मौसम (वर्षा ऋतु) में यानी जुलाई के प्रथम पखवाड़े तक बैंगन, मिर्च, फूलगोभी, पात गोभी, गांठ गोभी, टमाटर और प्याज की पौध डालने का उचित समय है। नर्सरी के लिए ध्यान रखना चाहिए कि पौधशाला ऊंचे स्थान पर हो तथा जल निकासी एवं जल प्रबंधन व प्रकाश की उचित व्यवस्था हो। डा सचान ने बताया कि पौधशाला में 2 किलोग्राम गोबर की सड़ी खाद 500 ग्राम वर्मी कंपोस्ट प्रति वर्ग मीटर की दर से अवश्य मिलाएं।तत्पश्चात कैप्टन या थीरम से भूमि का शोधन अवश्य कर बीमारियों से पौध बची रहे। बीज के चयन के लिए उन्होंने बताया कि बीज का स्रोत प्रमाणित होना चाहिए। तथा बीज रोग कीट व्याधि से मुक्त होना चाहिए।तत्पश्चात फसल के अनुसार उचित मात्रा में बीजों का प्रयोग करना चाहिए। उन्होंने कहा कि पंक्ति से पंक्ति बुवाई करने से निराई करना सुविधाजनक होता है। बीज बुवाई के तुरंत बाद क्यारियों में हजारे से इतना पानी छिड़का जाए कि मिट्टी गीली हो जाए। उन्होंने नर्सरी के लाभ के बारे में बताया कि खेत में सीधी बुवाई की अपेक्षा बीज कम लगता है तथा मुख्य खेत की तैयारी का समय मिल जाता है। एवं पौध तैयार करने में मेहनत व लागत में कमी आती है। डॉक्टर सचान ने बताया कि नर्सरी बुवाई के 25 दिन बाद यानी जब पौध में तीन से चार पत्तियां हो जाए तब खेत

राष्ट्रीय
सहारा
कानपुर • सोमवार • 5 जुलाई • 2021
5

'सब्जियों की स्वस्थ पौध तैयार करें किसान'

सीएसए के कल्याणपुर साग-भाजी अनुभाग के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. संजीव सचान की सलाह

सहारा न्यूज ब्यूरो

कानपुर।

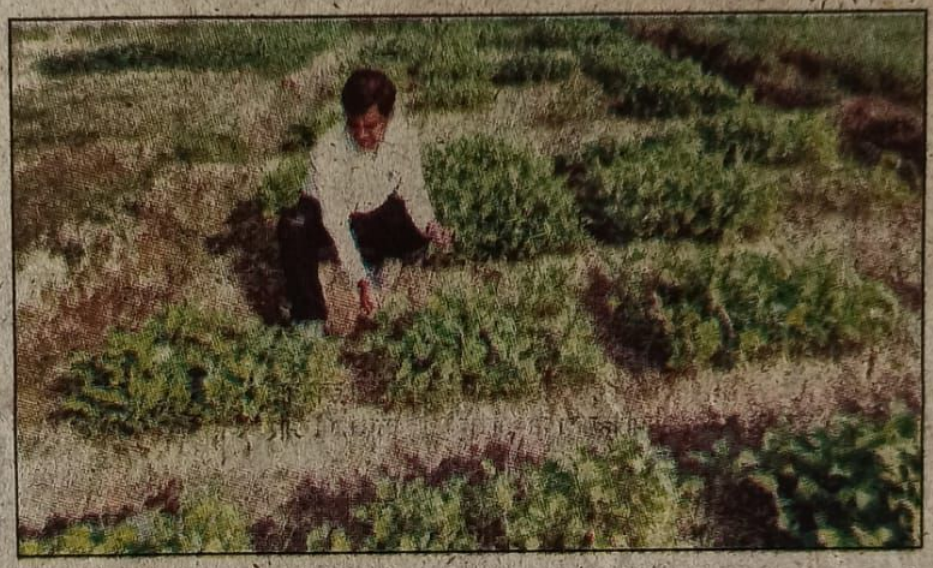

पौधशाला में लगी पौध। फोटो : एसएनबी

सीएसए कृषि एवं प्रौद्योगिकी विवि के कल्याणपुर साग भाजी अनुभाग के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. संजीव सचान ने खुद पौधशाला बनाकर स्वस्थ पौधे तैयार कर सब्जियों की खेती करने का सुझाव किसानों को दिया है। नर्सरी के लिए ध्यान रखना चाहिए पौधशाला ऊंचे स्थान पर हो तथा जल निकासी, जल प्रबंधन व प्रकाश की उचित व्यवस्था हो। पौधशाला के लिए समुचित खाद व भूमि का शोधन करना भी जरूरी है, जिससे फफूंदीजनक बीमारियों से पौध बची रहे। बीज का स्रोत्र भी प्रमाणित होना चाहिए।

डॉ.सचान के अनुसार खरीफ के मौसम (वर्षा ऋतु) में यानी जुलाई के प्रथम पखवाड़े तक बैंगन, मिर्च, फूलगोभी, पात गोभी, गांठ गोभी, टमाटर व प्याज की पौध डालने का उचित समय है। पौधशाला के लिए भूमि तैयार करने हेतु 2 किग्रा गोबर की सड़ी खाद व 500 ग्राम वर्मी कंपोस्ट प्रति वर्गमीटर की दर से अवश्य मिलायें।

बीज रोग कीट व्याधि से मुक्त होना चाहिए। तत्पश्चात फसल के अनुसार उचित मात्रा में बीजों का प्रयोग करना चाहिए। उन्होंने कहा कि पंक्ति से पंक्ति बुवाई करने से निराई करना सुविधाजनक होता है। बुवाई करते समय मिट्टी , बालू, गोबर की खाद व कोकोपीट को 1 : 1 : 1 : 2 के अनुपात में मिश्रण बनाकर डाल देना चाहिए। बीज बुवाई के तुरंत बाद क्यारियों में हजारे से इतना पानी छिड़का जाये कि मिट्टी गीली हो जाये। उन्होंने नर्सर के लाभ के बारे में बताया कि खेत में सीधी बुवाई के अपेक्षा बीज कम लगता है तथा मुख्य खेत की तैयारी का समय मिल जाता है। पौध तैयार करने में मेहनत व लागत कम आती है। नर्सरी बुवाई के 25 दिन बाद यानी जब पौध में तीन से चार पत्तियां हो जाये तो तक खेत में रोपाई करनी चाहिए।

अमर उजाला

सोमवार • 05.07.2021

05

kanpur.amarujala.com

नर्सरी में जल निकासी की हो उचित व्यवस्था

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के सब्जी वैज्ञानिक डॉ. संजीव सचान ने रविवार को पौधशाला में सब्जियों की स्वस्थ पौध तैयार करने के लिए एडवाइजरी जारी की है। उन्होंने बताया कि जुलाई के प्रथम पखवाड़े तक बैंगन, मिर्च, फूलगोभी, पत्ता गोभी, गांठ गोभी, टमाटर और प्याज की बुआई की जा सकती है। नर्सरी में जल निकासी, जल प्रबंधन व प्रकाश की उचित व्यवस्था रखनी चाहिए। मिट्टी में दो किलो गोबर की खाद, 500 ग्राम वर्मी कंपोस्ट प्रति वर्ग मीटर की दर से मिलाएं। उन्होंने बताया कि नर्सरी बुआई के 25 दिन बाद जब पौधे में तीन से चार पत्तियां हो जाएं तो खेत में रोपाई कर देते हैं। (संवाद)

हिन्दी दैनिक

R.N.L;UPHIN/2012/42725

हिन्दुस्तान का इतिहास

कानपुर से प्रकाशित

वर्ष : 10 अंक : 64 हिन्दी दैनिक | कानपुर सोमवार,05 जुलाई ,2021 | पृष्ठ : 8 | मूल्य : 2 रुपये

पौधशाला में सब्जियों की स्वस्थ पौध तैयार करें किसानः- डॉ. संजीव

कानपुर––हिन्दुस्तान का इतिहास –सीएसए के कल्याणपुर स्थित साग–भाजी अनुभाग के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ संजीव सचान ने बताया कि खरीफ के मौसम (वर्षा ऋतु) में यानी जुलाई के प्रथम पखवाड़े तक बैंगन, मिर्च, फूलगोभी, पात गोभी, गांठ गोभी, टमाटर और प्याज की पौध डालने का उचित समय है नर्सरी के लिए ध्यान रखना चाहिए कि पौधशाला ऊंचे स्थान पर हो तथा जल निकासी एवं जल प्रबंधन व प्रकाश की उचित व्यवस्था हो डॉ० सचान ने बताया कि पौधशाला में 2 किलोग्राम गोबर की सड़ी खाद 500 ग्राम वर्मी कंपोस्ट प्रति वर्ग मीटर की दर से अवश्य मिलाए तत्पश्चात कैप्टन या थीरम से भूमि का शोधन अवश्य कर लें जिससे फफूंदी जनक बीमारियों से पौध बची रहे। बीज के चयन के लिए उन्होंने बताया कि बीज का स्रोत प्रमाणित होना चाहिए तथा बीज रोग कीट व्याधि से मुक्त होना चाहिए तत्पश्चात फसल के अनुसार उचित मात्रा में बीजों का प्रयोग करना चाहिए उन्होंने कहा कि पंक्ति से पंक्ति बुवाई करने से निराई करना सुविधाजनक होता है बुवाई करते समय मिट्टी, बालू, गोबर की खाद और कोकोपीट को 1रू1रू1रू2 के अनुपात में मिश्रण बना कर डाल देना चाहिए तथा बीज बुवाई के तुरंत बाद क्यारियों में हजारे से इतना पानी छिड़का जाए कि मिट्टी गीली हो जाए उन्होंने नर्सरी के लाभ के बारे में बताया कि खेत में सीधी बुवाई की अपेक्षा बीज कम लगता है तथा मुख्य खेत की तैयारी का समय मिल जाता है एवं पौध तैयार करने में मेहनत व लागत में कमी आती है डॉक्टर सचान ने बताया कि नर्सरी बुवाई के 25 दिन बाद यानी जब पौध में तीन से चार पत्तियां हो जाए तब खेत में रोपाई कर देते हैं

य जनसत्ता दल के एकजुट होने से सभी चुनावी समी करण हुए ध्वस्त'

पद पर श्रीमती माधुरी देवी पटेल को निर्वाचित कराकर जिले में कांग्रेस के दिग्गज के एकजुट होने से माहौल काफी दिलचस्प हो गया है जिला पंचायत अध्यक्ष पद पर हुई जीत को लेकर कांग्रेस व जनसत्ता

www.facebook.com/worldkhabarexpress www.twitter.com/worldkhabarexpress www.youtube.com/worldkhabarexpress https://worldkhabarexpress.media/

WORLD खबर EXPRESS

WORLD खबर एक्सप्रेस

अंक : 277 कानपुर नगर

04 जुलाई 2021, रविवार

www.worldkhabarexpress.media MID DAY E-PAPER www.worldkhabarexpress.com

आउटफिट को लेकर ट्रोल हुई रिया चक्रवर्ती पेज 8

सीएम योगी आदित्यनाथ ने सुल्तानपुर से की 'वन महोत्सव' की शुरुआत

पौधशाला में सब्जियों की स्वस्थ पौध तैयार करें किसानः डॉ. संजीव

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कल्याणपुर स्थित साग भाजी अनुभाग के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. संजीव सचान ने बताया कि खरीफ के मौसम (वर्षा ऋतु) में यानी जुलाई के प्रथम पखवाड़े तक बैंगन, मिर्च, फुलगोभी, पत्तागोभी, गांठ गोभी, टमाटर और प्याज की पौध डालने का उचित समय है। नर्सरी के लिए ध्यान रखना चाहिए कि पौधशाला ऊंचे स्थान पर हो तथा जल निकासी व जल प्रबंधन व प्रकाश की उचित व्यवस्था हो।

डॉ. सचान ने बताया कि पौधशाला में 2 किलोग्राम गोबर की सड़ी खाद 500 ग्राम वर्मी कंपोस्ट प्रति वर्ग मीटर की दर से अवश्य मिलाएं। इसके बाद कैप्टन या थीरम से भूमि का शोधन अवश्य कर लें जिससे फफूंदी जनक बीमारियों से पौध बची रहे। बीज के चयन के लिए उन्होंने बताया कि बीज का स्रोत प्रमाणित होना चाहिए तथा बीज रोग कीट व्याधि से मुक्त होना चाहिए। इसके बाद फसल के अनुसार उचित मात्रा में बीजों का प्रयोग करना चाहिए। पंक्ति से पंक्ति बुवाई करने से निराई करना सुविधाजनक होता है। बुवाई करते समय मिट्टी, बालू, गोबर की खाद और कोकोपीट को 1:1:1:2 के अनुपात में मिश्रण बना कर डाल देना चाहिए। बीज बुवाई के तुरंत बाद क्यारियों में हजारे से इतना पानी छिड़के मिट्टी गीली हो जाए। उन्होंने नर्सरी के लाभ के बारे में बताया कि खेत में सीधी बुवाई की अपेक्षा बीज कम लगता है तथा मुख्य खेत की तैयारी का समय मिल जाता है। पौध तैयार करने में मेहनत व लागत में कमी आती है। नर्सरी बुवाई के 25 दिन बाद यानी जब पौध में तीन से चार पत्तियां हो जाए तब खेत में रोपाई कर देते हैं।

05 july_jan express.pdf - Read-only

जन एक्सप्रेस

लखनऊ, सोमवार, 05 जुलाई, 2021, वर्ष : 12, अंक : 261, पृष्ठ : 12, मूल्य ₹ 3.00/-

www.janexpressdive.com/epaper

एक नजर में...

बीज का स्रोत प्रमाणित तथा बीज रोग कीट व्याधि से मुक्त होना चाहिए : डा. संजीव सचान

जन एक्सप्रेस/कानपुर नगर। खरीफ के मौसम में जुलाई के पहले पखवाड़े तक बैगन, मिर्च, फूलगोभी, पात गोभी, गांठ गोभी, टमाटर और प्याज की पौध डालने का उचित समय होता है इसके लिए पौधशाला का ऊंचे स्थान पर होना आवश्यक है तथा जल निकासी, जल प्रबंधन और प्रकाश की उचित व्यवस्था भी आवश्यक है। यह बात सीएसएयू के कुलपति डॉक्टर डीआर सिंह के द्वारा जारी निर्देश क्रम में कल्याणपुर स्थित साग भाजी और भाग के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. संजीव सचान ने किसानों को बताते हुए कहा कि पौधशाला में 2 किलोग्राम गोबर की साड़ी खाद 500 ग्राम वर्मी कंपोस्ट प्रति वर्ग मीटर की दर से मिलाकर कैप्टन या थीरम से भूमि का शोधन करना चाहिए जिससे फफूंदी रहित बीमारियों से पौध बची रहे। डॉ. सचान ने बीज चयन के विषय में बताते हुए कहा कि बीज का स्रोत प्रमाणित तथा बीज रोग कीट व्याधि से मुक्त होना चाहिए। उन्होंने कहा कि पंक्ति से पंक्ति बुवाई करने से निराई करना आसान होता है बुवाई करते समय मिट्टी बालू गोबर की खाद कोकोपीट को 1:1:1:2 के अनुपात में मिलाकर डालना चाहिए। नर्सरी लाभ के बारे में बताते हुए उन्होंने कहा कि खेत में सीधी बुवाई की अपेक्षा बीज कम लगता है तथा मुख्य खेत की तैयारी का समय मिल जाता है तथा पौध तैयार करने में मेहनत व लागत भी कम लगती है।